This question paper contains **16+4** printed pages]

H.P.A.S. (Main)—2013

HINDI (COMPULSORY)

(General Hindi)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

निर्देश :—कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। प्रश्न क्रमांक **1** और **2** अनिवार्य हैं। शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

When children arrive in school, they experience a different linguistic world. They meet for the first time children from unfamiliar regional, social, and ethnic backgrounds, whose linguistic norms may differ greatly from their own. They encounter a social situation in

which levels of formal and informal speech are carefully distinguished and standards of correctness emphasized. The educational setting presents them with a variety of unfamiliar, subject-related styles of language. They have to learn a new range of linguistics skills—reading, writing and spelling. And they find themselves having to talk about what they are doing, which requires that they learn a special technical vocabulary—a 'language for talking about language', or metalanguage.

In recent years, educationists have begun to recognize the complexity of the language demands being made on the young schoolchild, and to realize that progress

in many areas of the curriculum is greatly dependent on a satisfactory foundation of linguistic skills. The traditional emphasis on literacy, the ability to read and write, has been supplemented by an emphasis on oracy, the ability to speak and listen. Teachers now pay increasing attention to a child's preschool linguistic experience, seeing this as a foundation on which they can build. Special efforts are made to relate different kinds of linguistic learning; the task of writing is being brought closer to the child's experience of reading; reading, in turn, is being brought into contact with the ability to use spoken language; and oral skills are being supplemented by work on listening

comprehension. Above all, teachers have begun to stress that children's linguistic ability as a major factor influence their success in the learning of other subject areas, such as science, mathematics and history.

अथवा

The idea of shaping knowledge into disciplines can be traced as far back as Greek philosophy. Aristotle, for example, organized different subjects into a hierarchy, according to whether they were theoretical, practical or productive. The theoretical subjects were the highest form of knowledge, and comprised theology, mathematics and physics, in descending order of importance; the practical subjects included ethics and

politics; and the productive subjects, which were the lowest in the hierarchy, included the fine arts, poetics and engineering. By constructing such a scheme, Aristotle employed two guiding principles which have also been central to the subsequent development of the disciplines have not merely created self-contained bodies of knowledge, happy in their isolation. It has been a centuries old debate about the relative merits of 'useful' areas of knowledge that set themselves limited aims but clearly achieve them; and more nebulously defined areas of knowledge that are more ambitious and wide-ranging but not so obviously 'useful'. Aristotle clearly preferred speculative

knowledge for its own sake, believing that 'here is a kind of education in which parents should have their sons trained not because it is necessary, or because it is useful, but simply because it is liberal and something good in itself'. Second, he recognized that the ordering of knowledge into disciplines was necessary but regrettable, and so he positioned philosophy as the universal field of inquiry which brought together all the different branches of learning, a nation of unity in difference which also influenced the formation of the disciplines within the modern university. As Aristotle's system makes clear, anxieties about the harmful specialization of knowledge are as old as the scholarly disciplines themselves.

2. (अ) निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

आदिम युग से सभ्यता के विकास तक स्त्री सुख के साधनों में गिनी जाती रही। उसके लिए परस्पर संघर्ष करते हुए, प्रतिद्वंद्विता चली, महाभारत रचे गए और उसे चाहे इच्छा से हो और चाहे अनिच्छा से, उसी पुरुष का अनुगमन करना पड़ता रहा जो विजयी प्रमाणित हो सका। पुरुष ने उसके अधिकार अपने सुख की तुला पर तोले, उसकी विशेषता पर नहीं; अतः समाज की सब व्यवस्थाओं में उसके और पुरुष के अधिकारों में एक विचित्र विषमता मिलती है। जहाँ तक सामाजिक प्राणी का प्रश्न है, स्त्री, पुरुष के समान ही सामाजिक सुविधाओं की अधिकारिणी है, परंतु केवल अधिकार की

दुहाई देकर ही तो वह सबल निर्बल का चिरंतन संघर्ष और उससे उत्पन्न विषमता नहीं मिटा सकती।

अथवा

जय-यात्रा का अर्थ किसी को हराना नहीं है, किसी को अपने में मिलाना नहीं है, दिग्विजय के लिए निकलना नहीं है, इसका अर्थ अपराजेय भाव है, अक्षुण्ण भाव है, अप्रतिहत गतिशीलता है। जो लोग इस दृष्टि से सोचते हैं कि भारतीय परंपरा ने यूनानी, शक, हूण परंपराओं को निगीर्ण कर लिया या आर्यों ने द्रविड़ों, कोलों, किरातों पर विजय प्राप्त की, उनकी कुछ अच्छी बातें ले लीं और उनकी अपनी अलग पहचान नहीं रहने दी, उनको अपना हीनतर सहभागी बना लिया, वे लोग बीमार मानसिकता के शिकार हैं। एक तो जातियों का, संस्कृतियों

का या परंपराओं का संघर्ष भारत के संदर्भ में आरोपित है, द्वैत को संघर्ष मानना भ्रम है, दूसरे भारतीय परंपरा में विजेता आदि विजित कभी भी दो नहीं हैं।

(ब) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए : 10

द्रुत झरो जगत के जीर्ण पत्र
हे स्रस्त ध्वस्त ! हे शुष्क शीर्ण
हिमताप पीत, मधुवात भीत,
तुम वीतराग, जड़, पुराचीन!
निष्प्राण विगत युग! मृत विहंग
जड़ नीड़ शब्द औ' श्वासहीन,
च्युत, अस्त-व्यस्त पंखों-से तुम
झर-झर अनंत में हो विलीन

कंकाल जाल जग में फैले

फिर नवल रुधिर-पल्लव लाली!

प्राणों की मर्मर से मुखरित

जीवन की मांसल हरियाली!

मंजरित विश्व में यौवन के

जग कर जग का पिक मतवाली

निज अमर प्रणय स्वर-मदिरा से

भर दे फिर नवयुग की प्याली!

अथवा

दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यों न बढ़ै दु:ख-दंदु।

अधिक अँधेरौ जग करत मिलि मावस रबि-चंदु॥

दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।

परति गाँठि दुरजन-हियै, दई, नई यह रीति॥

3. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों में से किन्हीं **दस** का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 20

(1) अंगूठा दिखाना

(2) अँधेरे में रखना

(3) आँचल पसारना

(4) ओखली में सिर देना

(5) काठ मार जाना

(6) गाल बजाना

(7) छाती पर मूँग दलना

(8) दाना-पानी उठना

(9) नस पहचानना

(10) सिर पर खून सवार होना

(11) अधजल गगरी छलकत जाय

(12) थोथा चना बाजे घना

(13) आधा तीतर, आधा बटेर

(14) दूध का दूध, पानी का पानी

(15) समरथ को नहिं दोष गोसाईं

4. (अ) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए : 10

(1) मुकुर

(2) माथा

(3) तृष्णा

(4) कुटिल

(5) वीरान

(6) व्याध

(7) प्रणिधान

(8) पृथु

(9) कर्दम

(10) तनु

(ब) निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिए : 10

(1) समष्टि

(2) रुक्ष

(3) गूढ़

(4) विहित

(5) द्रुत

(6) तिमिर

(7) लाघव

(8) औरस

(9) उच्छवास

(10) आर्ष

5. (अ) निम्नलिखित अनेकार्थक शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए : 10

(1) मुद्रा

(2) रुख

(3) कुल

(4) संज्ञा

(5) पतंग

(6) गण

(7) अक्ष

(8) अज

(9) नाग

(10) मित्र

(ब) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : 10

(1) क्रम से आया हुआ

(2) चक्र को धारण करने वाला

(3) किसी पर विजय पाने की इच्छा

(4) जिसे किसी बात की आकांक्षा न हो

(5) बिना पलक झपकाये

(6) जो प्रमाण से सिद्ध हो सके

(7) मोक्ष की कामना रखने वाला

(8) शत्रुओं को मार डालने वाला

(9) जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके

(10) जो अपने आप उत्पन्न हुआ हो

6. (अ) निम्नलिखित तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 10

(1) अँधेरा

(2) उल्लू

(3) ग्वाल

(4) जम्हाई

(5) पाहन

(6) बहु

(7) बांस

(8) मूँछ

(9) सरसों

(10) साकल

(ब) निम्नलिखित शब्द-युग्मों के अर्थ लिखिए : 10

(1) नियत-नियति

(2) नीड़-नीर

(3) द्विप–द्वीप

(4) दीठ–ढीठ

(5) जघन्य–जघन

(6) चपत–चंपत

(7) कुल–कूल

(8) आर्त–आर्द्र

(9) अलि–अली

(10) परिताप–प्रताप

7. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के उपसर्ग अलग करते हुए स्पष्ट कीजिए कि उपसर्ग के प्रयोग से मूल शब्द के अर्थ में क्या परिवर्तन हुआ है ? 10

(1) दुरभिसंधि

(2) पर्यवसान

(3) अभ्यागत

(4) हमसफ़र

(5) स्वागत

(6) बिलावजह

(7) संन्यास

(8) बदसलूकी

(9) अधिमास

(10) अधोहस्ताक्षरी

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** शब्दों के हिंदी में अर्थ लिखिए : 10

(1) Obligation

(2) Liability

(3) Pamphlet

(4) Reception

(5) Secret

(6) Symptom

(7) Tampering

(8) Undertaking

(9) Verdict

(10) White paper

8. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 20

(1) वे इस शहर के लब्धप्रतिष्ठित व्यक्ति हैं।

(2) सभी बातों का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।

(3) रमेश की पत्नी आज्ञाकारी है।

(4) मुझे हाथी का डर लगता है।

(5) वह केवल सोने के लिए आया है।

(6) प्रत्येक विजेता को पाँच-पाँच सौ रुपये मिले।

(7) सब लोग अपनी राय दे सकते हैं।

(8) इस समय सुरेश की आयु दस वर्ष है।

(9) मुझे ठंडी बर्फ और गर्म आग की जरूरत है।

(10) नियमित व्यायाम करना चाहिए, जिससे कि स्वस्थ रहें।